Aaj Samaaj 6-12-25

उच्च शिक्षा गुणवत्ता सुधार पर एसडी कॉलेज में नैक आधारित राष्ट्रीय कॉन्फ्रेंस का आयोजन

- नैक के आउटकम-बेस्ड एक्रेडिटेशन पर विशेषज्ञों ने रखे विचार, 120 से अधिक प्रतिभागियों की रही भागीदारी

आज समाज नेटवर्क

चंडीगढ़। सेक्टर-32 स्थित गोस्वामी गणेश दत्त सनातन धर्म कॉलेज में शुक्रवार को पीएम उषा स्कीम (रूसा) के तहत ह्यनैक आउटकम-बेस्ड एक्रेडिटेशन के तहत ट्रांसफॉर्मेटिव क्वालिटी एश्योरेंसः अवसर और चुनौतियाँह्ल विषय पर एक राष्ट्रीय कॉन्फ्रेंस का आयोजन किया। कॉन्फ्रेंस में विभिन्न उच्च शिक्षण संस्थानों से आए विशेषज्ञों, शिक्षाविदों और शोधकताओं ने नैक के आउटकम-बेस्ड फ्रेमवर्क के तहत गुणवत्ता आश्वासन, मूल्यांकन प्रक्रिया, संस्थागत सुधार और नई चुनौतियों पर विचार-विमर्श किया। कॉन्फ्रेंस में एकेडमिक्स, पॉलिसी मेकर्स, एडमिनिस्ट्रेटर्स और क्वालिटी एश्योरेंस प्रोफेशनल्स सहित 120 से अधिक विशेषज्ञों ने भाग लिया। कॉन्फ्रेंस की शुरूआत जीजीडीएसडी कॉलेज सोसाइटी के जनरल सेक्रेटरी डॉ. अनिरुद्ध जोशी के स्वागत भाषण से हुई, जिसमें उन्होंने उच्च शिक्षा में क्वालिटी एश्योरेंस प्रक्रियाओं के निरंतर विकास और संस्थागत उत्कृष्टता के लिए इसकी आवश्यकता पर जोर दिया। एकेडमिया के विभिन्न क्षेत्रों से आए नामी वक्ताओं ने करिकुलम रीडिजाइन, डॉक्यूमेंटेशन रणनीति, आउटकम-बेस्ड असेसमेंट, गवर्नेंस रिफॉर्म्स और फैकल्टी एम्पावरमेंट जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विचार-विमर्श किया। सत्रों में इस बात पर जोर दिया गया कि उच्च शिक्षा संस्थानों को अपनी तैयारी और मजबूत करनी होगी, क्योंकि नैक अब एक अधिक गतिशील और डेटा-आधारित एक्रेडिटेशन फ्रेमवर्क की ओर अग्रसर है। उद्घाटन सत्र में पंजाबी यूनिवर्सिटी, पटियाला के वाइस-चांसलर प्रो. (डॉ.) जगदीप सिंह ने मुख्य वक्ता के रूप में शिरकत की। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि उच्च शिक्षा संस्थानों को ऐसे शैक्षणिक पारिस्थितिक तंत्र को मजबूत करने की आवश्यकता है, जहाँ मापनीय लर्निंग आउटकम्स को संस्थागत विकास का मुख्य आधार माना जाए। यूजीसी, नई दिल्ली के जॉइंट सेक्रेटरी डॉ. जीएस चौहान ने अपने संबोधन में इस बात पर जोर दिया कि विकसित होते नैक फ्रेमवर्क के अनुरूप बने रहने के लिए उच्च शिक्षा संस्थानों में मजबूत डेटा

कल्चर को बढ़ावा देना और साक्ष्य-आधारित डॉक्यूमेंटेशन अपनाना बेहद आवश्यक है। वहीं, रयात एवं बाहरा यूनिवर्सिटी के पूर्व वाइस-चांसलर और सीआईपीयू के राष्ट्रीय सलाहकार, प्रोफेसर (डॉ.) परविंदर सिंह ने संस्थानों में लगातार क्वालिटी बढ़ाने के लिए गवर्नेंस रिफॉर्म्स, ट्रांसपेरेंसी और सबको साथ लेकर चलने वाले एकेडमिक तरीकों के महत्व पर जोर दिया। ईकोपर्यावरण ग्रुप के मैनेजिंग डायरेक्टर डॉ. संदीप गर्ग ने कहा कि क्वालिटी एश्योरेंस में स्थिरता, कम्प्लायंस और संस्थागत जिम्मेदारियों से जुड़ी प्रथाओं का समुचित एकीकरण होना आवश्यक है। इस विचार को आगे बढ़ाते हुए, एनआईटीटीटीआर चंडीगढ़ के डायरेक्टर डॉ. भोला राम गुज्जर ने संस्थानों को फैकल्टी डेवलपमेंट को मजबूत करने और क्वालिटी बढ़ाने के जरूरी तरीकों के तौर पर टीचिंग-लर्निंग इनोवेशन को बढ़ावा देने के लिए प्रोत्साहित किया।

तकनीकी सत्रों में एमिटी यूनिवर्सिटी, मोहाली के रजिस्ट्रार डॉ. दलीप कुमार, गोबिंदगढ़ पब्लिक कॉलेज, खन्ना, लुधियाना की प्रिंसिपल डॉ. नीना सेठ पजनी, जीजीडीएसडी कॉलेज चंडीगढ़ के प्रिंसिपल डॉ. अजय शर्मा, एनआईटीटीआर चंडीगढ़ की एसोसिएट डीन डॉ. मीनाक्षी सूद ने एक्सपर्ट प्रेजेंटेशन दिए। इसके बाद ओपन डिस्कशन हुआ जिसमें पार्टिसिपेंट्स ने अपनी राय और चुनौतियों को शेयर किया। यह कार्यक्रम प्रिंसिपल डॉ. अजय शर्मा के धन्यवाद भाषण के साथ खत्म हुआ, जिसमें उन्होंने एकेडमिक क्वालिटी और इनोवेशन के प्रति संस्थान की प्रतिबद्धता को फिर से दोहराया। इस कॉन्फ्रेंस को जीजीडीएसडी कॉलेज की आईक्यूएसी कोऑर्डिनेटर डॉ. मोनिका सचदेवा और इंग्लिश विभाग की असिस्टेंट प्रोफेसर गगनप्रीत वालिया के नेतृत्व में कोऑर्डिनेट किया गया।

अजीत समाचार

एसडी कॉलेज ने ट्रांसफॉर्मेटिव क्वालिटी एश्योरेंस पर नेशनल कॉन्फ्रेंस की मेज़बानी की

चंडीगढ़, 6 दिसम्बर (राम सिंह बराड़) : आज गोस्वामी गणेश दत्ता सनातन धर्म कॉलेज, चंडीगढ़ ने पीएम उशा कीम तहत एनएएसी आउटकम बेस्ड एक्रेडिटेशन के तहत ट्रांसफॉर्मेटिव क्वालिटी एश्योरेंस: अवसर और चुनौतियां' विषय पर एक नेशनल कॉन्फ्रेंस की मेज़बानी की। इस कार्यक्रम में एकेडेमिया, पॉलिसी मेकर्स, एडमिनिस्ट्रेटर्स और क्वालिटी एश्योरेंस प्रोफेशनल्स सहित 120 से ज़्यादा विशेषज्ञों ने भाग लिया। कॉन्फ्रेंस की शुरुआत जीजीडीएसडी कॉलेज सोसाइटी के जनरल सेक्रेटरी डॉ. अनिरुद्ध जोशी के स्वागत भाषण से हुई, जिसमें क्वालिटी एश्योरेंस प्रक्रियाओं के विकास पर प्रकाश डाला गया। एकेडेमिया के विभिन्न क्षेत्रों के जाने-माने वक्ताओं ने पाठ्यक्रम को फिर से डिजाइन करने, दस्तावेज़ीकरण रणनीतियों, परिणाम-आधारित मूल्यांकन, शासन सुधारों और संकाय सशक्तिकरण जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा की। सत्रों में उच्च शिक्षा संस्थानों के लिए एनएएसी के अधिक गतिशील, डेटा-संचालित मान्यता ढांचे में बदलने के साथ ही तैयारी बढ़ाने की आवश्यकता पर ज़ोर दिया गया। उद्घाटन सत्र में पंजाबी यूनिवर्सिटी, के वाइस-चांसलर प्रो. (डॉ.) जगदीप सिंह ने भाग लिया, जिन्होंने संस्थागत विकास के मुख्य चालक के रूप में मापने योग्य सीखने के परिणामों को प्राथमिकता देने वाले शैक्षणिक पारिस्थितिकी तंत्र को मजबूत करने की आवश्यकता पर प्रकाश डाला। युजीसी, के संयुक्त सचिव डॉ. जी. एस. चौहान ने बदलते एनएएसी ढांचे के साथ तालमेल बिठाने के लिए एक मजबूत डेटा संस्कृति को बढ़ावा देने और साक्ष्य-आधारित दस्तावेज़ीकरण अपनाने की आवश्यकता पर ज़ोर दिया। इसमें और गहराई जोड़ते हुए, रायत और बहारा विश्वविद्यालय के पूर्व वाइस-चांसलर और सीआईपीयु के राष्ट्रीय सलाहकार प्रो. (डॉ.) परविंदर सिंह ने संस्थानों में निरंतर गुणवत्ता वृद्धि सुनिश्चित करने में शासन सुधारों, पारदर्शिता और समावेशी शैक्षणिक प्रथाओं के महत्व को रेखांकित किया। इको-पर्यावरण समूह के प्रबंध निदेशक डॉ. संदीप गर्ग ने कहा कि गुणवत्ता आश्वासन में स्थिरता, अनुपालन और जिम्मेदार संस्थागत प्रथाओं को एकीकृत किया जाना चाहिए। इस दृष्टिकोण का समर्थन करते हुए, एनआईटीटीटीआर चंडीगढ़ के निदेशक डॉ. भोला राम गुर्जर ने संस्थानों को संकाय विकास को मजबूत करने और गुणवत्ता वृद्धि के आवश्यक चालकों के रूप में शिक्षण-अधिगम नवाचार को बढ़ावा देने के लिए प्रोत्साहित किया। टेक्निकल सेशन में एमिटी यूनिवर्सिटी, मोहाली के रजिस्ट्रार डॉ. दलीप कुमार, गोबिंदगढ़ पब्लिक कॉलेज, खन्ना, लुधियाना की प्रिंसिपल डॉ. नीना सेठ पजनी, जीजीडीएसडी कॉलेज चंडीगढ़ के प्रिंसिपल डॉ. अजय शर्मा, एनआईटीटीटीआरचंडीगढ़ की एसोसिएट डीन डॉ. मीनाक्षी सूद ने एक्सपर्ट प्रेजेंटेशन दिए। इसके बाद ओपन डिस्कशन हुआ जिसमें पार्टिसिपेंट्स ने अपनी राय और चुनौतियां शेयर कीं। इवेंट का समापन प्रिंसिपल डॉ. अजय शर्मा के धन्यवाद भाषण के साथ हुआ, जिसमें उन्होंने एकेडमिक क्वालिटी और इनोवेशन के प्रति संस्थान की प्रतिबद्धता को फिर से दोहराया। कॉन्फ्रेंस का कोऑर्डिनेशन जीजीडीएसडी कॉलेज, चंडीगढ़ की कोऑर्डिनेटर डॉ. मोनिका सचदेवा और इंग्लिश डिपार्टमेंट की असिस्टेंट प्रोफेसर गगनप्रीत वालिया के नेतृत्व में किया गया।

जीजीडीएसडी कॉलेज चंडीगढ़ में नेशनल कॉन्फ्रेंस दौरान यादगारी तस्वीर करवाते प्रतिभागी। (छाया : गुरिंदर सिंह)

Arth Parkash 6-12-25

नैक के आउटकम-बेस्ड एक्रेडिटेशन पर विशेषज्ञों ने रखे विचार, 120 से अधिक प्रतिभागियों की रही भागीदारी

उच्च शिक्षा गुणवत्ता सुधार पर एसडी कॉलेज में नैक आधारित राष्ट्रीय कॉन्फ्रेंस का आयोजन

अर्थ प्रकाश संवाददाता

चंडीगढ़। सेक्टर-32 स्थित गोस्वामी गणेश दत्त सनातन धर्म कॉलेज में शुक्रवार को पीएम उषा स्कीम (रूसा) के तहत नैक आउटकम-बेस्ड एक्रेडिटेशन के तहत ट्रांसफॉर्मेटिव क्वालिटी एश्योरेंस- अवसर और चुनौतियाँ विषय पर एक राष्ट्रीय कॉन्फ्रेंस का आयोजन किया। कॉन्फ्रेंस में विभिन्न उच्च शिक्षण संस्थानों से आए विशेषज्ञों, शिक्षाविदों और शोधकर्ताओं ने नैक के आउटकम-बेस्ड फ्रेमवर्क के तहत गुणवत्ता आश्वासन, मूल्यांकन प्रक्रिया, संस्थागत सुधार और नई चुनौतियों पर विचार-विमर्श किया। कॉन्फ्रेंस में एकेडमिक्स, पॉलिसी मेकर्स, एडमिनिस्ट्रेटर्स और क्वालिटी एश्योरेंस प्रोफेशनल्स सहित 120 से अधिक विशेषज्ञों ने भाग लिया। कॉन्फ्रेंस की शुरुआत जीजीडीएसडी कॉलेज सोसाइटी के जनरल सेक्रेटरी डॉ. अनिरुद्ध जोशी के स्वागत भाषण से हुई, जिसमें उन्होंने उच्च शिक्षा में क्वालिटी एश्योरेंस प्रक्रियाओं के निरंतर विकास और संस्थागत उत्कृष्टता के लिए इसकी आवश्यकता पर जोर दिया।

एकेडेमिया के विभिन्न क्षेत्रों से आए नामी वक्ताओं ने करिकुलम रीडिज़ाइन, डॉक्यूमेंटेशन रणनीति, आउटकम-बेस्ड असेसमेंट, गवर्नेंस रिफॉर्म्स और फैकल्टी एम्पावरमेंट जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विचार-विमर्श किया। सत्रों में इस बात पर जोर दिया गया कि उच्च शिक्षा संस्थानों को अपनी तैयारी और मजबूत करनी होगी, क्योंकि नैक अब एक अधिक गतिशील और डेटा-आधारित एक्रेडिटेशन फ्रेमवर्क की ओर अग्रसर है। उद्घाटन सत्र में पंजाबी यूनिवर्सिटी, पटियाला के वाइस-चांसलर प्रो. (डॉ.) जगदीप सिंह ने मुख्य वक्ता के रूप में शिरकत की। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि उच्च शिक्षा संस्थानों को ऐसे शैक्षणिक पारिस्थितिक तंत्र को मजबूत करने की आवश्यकता है, जहाँ मापनीय लर्निंग आउटकम्स को संस्थागत विकास का मुख्य आधार माना जाए।

उच्च शिक्षा गुणवत्ता सुधार पर एसडी कॉलेज में नैक आधारित राष्ट्रीय कॉन्फ्रेंस का आयोजन

वैभव न्यूज ■ चंडीगढ़

सेक्टर-32 स्थित गोस्वामी गणेश दत्त सनातन धर्म कॉलेज में शुक्रवार को पीएम उषा स्कीम (रूसा) के तहत ÷नैक आउटकम-बेस्ड एक्रेडिटेशन के तहत ट्रांसफॉर्मेटिव क्वालिटी एश्योरेंस- अवसर और चुनौतियाँ÷ विषय पर एक राष्ट्रीय कॉन्फ्रेंस का आयोजन किया। कॉन्फ्रेंस में विभिन्न उच्च शिक्षण संस्थानों से आए विशेषज्ञों, शिक्षाविदों और शोधकर्ताओं ने नैक के आउटकम-बेस्ड फ्रेमवर्क के तहत गुणवत्ता आश्वासन, मूल्यांकन प्रक्रिया, संस्थागत सुधार और नई चुनौतियों पर विचार-विमर्श किया। कॉन्फ्रेंस में एकेडमिक्स, पॉलिसी मेकर्स, एडमिनिस्ट्रेटर्स और क्वालिटी एश्योरेंस प्रोफेशनल्स सहित 120 से अधिक विशेषज्ञों ने भाग लिया। कॉन्फ्रेंस की शुरुआत जीजीडीएसडी कॉलेज सोसाइटी के जनरल सेक्रेटरी डॉ. अनिरुद्ध जोशी के स्वागत भाषण से हुई, जिसमें उन्होंने उच्च शिक्षा में क्वालिटी एश्योरेंस प्रक्रियाओं के निरंतर विकास और संस्थागत उत्कृष्टता के लिए इसकी आवश्यकता पर जोर दिया। एकेडेमिया के विभिन्न क्षेत्रों से आए नामी वक्ताओं ने करिकुलम रीडिज़ाइन, डॉक्यूमेंटेशन रणनीति, आउटकम-बेस्ड असेसमेंट, गवर्नेंस रिफॉर्म्स और फैकल्टी एम्पावरमेंट जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विचार-विमर्श किया। सत्रों में इस बात पर जोर दिया गया कि उच्च शिक्षा संस्थानों को अपनी तैयारी और मजबूत करनी होगी, क्योंकि नैक अब एक अधिक गतिशील और डेटा-आधारित एक्रेडिटेशन फ्रेमवर्क की ओर अग्रसर है। उद्घाटन सत्र में पंजाबी यूनिवर्सिटी, पटियाला के वाइस-चांसलर प्रो. (डॉ.) जगदीप सिंह ने मुख्य वक्ता के रूप में शिरकत की। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि उच्च शिक्षा संस्थानों को ऐसे शैक्षणिक पारिस्थितिक तंत्र को मजबूत करने की आवश्यकता है, जहाँ मापनीय लर्निंग आउटकम्स को संस्थागत विकास का मुख्य आधार माना जाए। यूजीसी, नई दिल्ली के जॉइंट सेक्रेटरी डॉ. जीएस चौहान ने अपने संबोधन में इस बात पर जोर दिया कि विकसित होते नैक फ्रेमवर्क के अनुरूप बने रहने के लिए उच्च शिक्षा संस्थानों में मजबूत डेटा कल्चर को बढ़ावा देना और साक्ष्य-आधारित डॉक्यूमेंटेशन अपनाना बेहद आवश्यक है। वहीं, रयात एवं बाहरा यूनिवर्सिटी के पूर्व वाइस-चांसलर और सीआईपीयू के राष्ट्रीय सलाहकार, प्रोफेसर (डॉ.) परविंदर सिंह ने संस्थानों में लगातार क्वालिटी बढ़ाने के लिए गवर्नेंस रिफॉर्म्स, ट्रांसपेरेंसी और सबको साथ लेकर चलने वाले एकेडमिक तरीकों के महत्व पर ज़ोर दिया।

Chandigarh Bhaskar 6-12-25

जीजीडीएसडी-32 आउटकम-बेस्ड एक्रेडिटेशन पर चर्चा में 120 एक्सपर्ट्स ने लिया हिस्सा, कहा-

डेटा-ड्रिवन एक्रेडिटेशन की ओर नैक, संस्थाओं को डेटा स्ट्रक्चर मजबूत करने होंगे

एजुकेशन रिपोर्टर | चंडीगढ़

जीजीडीएसडी-32 में शुक्रवार को पीएम-उषा स्कीम (रुसा) के तहत 'नैक आउटकम-बेस्ड एक्रेडिटेशन के तहत ट्रांसफॉर्मेटिव क्वालिटी एश्योरेंस: अवसर और चुनौतियां' विषय पर राष्ट्रीय कॉन्फ्रेंस आयोजित की गई। इसमें देशभर के 120 से अधिक एकेडमीशियंस, रिसर्चर्स, एडमिनिस्ट्रेटर्स और पॉलिसी मेकर्स ने भाग लिया। कॉन्फ्रेंस की शुरुआत जीजीडीएसडी कॉलेज सोसाइटी के जनरल सेक्रेटरी डॉ. अनिरुद्ध जोशी के स्वागत भाषण से हुई। उन्होंने उच्च शिक्षा में क्वालिटी एश्योरेंस के निरंतर विकास, पारदर्शिता और संस्थागत उत्कृष्टता की आवश्यकता पर बल दिया। विशेषज्ञों का मानना था कि नैक तेजी से एक डायनेमिक, टेक्नोलॉजी-ड्रिवन और एविडेंस-बेस्ड फ्रेमवर्क की ओर बढ़ रहा है, इसलिए संस्थाओं को अपने सिस्टम और डेटा स्ट्रक्चर मजबूत करने होंगे।

गवर्नेंस रिफॉर्म्स और पारदर्शिता को क्वालिटी सुधार का मुख्य तत्व: कंफेडरेशन ऑफ इंडियन प्राइवेट यूनिवर्सिटी के राष्ट्रीय सलाहकार प्रो. (डॉ.) परविंदर सिंह ने गवर्नेंस रिफॉर्म्स और पारदर्शिता को क्वालिटी सुधार का मुख्य तत्व बताया। इस मौके पर ईको एनवायरनमेंट ग्रुप के एमडी डॉ. संदीप गर्ग, निट्टर चंडीगढ़ के डायरेक्टर डॉ. भोला राम गुर्जर, प्रिंसिपल डॉ. अजय शर्मा ने भी संबोधित किया।

Dainik Jagram 6-12-25

उच्च शिक्षा गुणवत्ता सुधार पर विचार-विमर्श

जागरण संवाददाता, चंडीगढ़ : सेक्टर-32 स्थित गोस्वामी गणेश दत्त सनातन धर्म कालेज में शुक्रवार को पीएम उषा स्कीम (रूसा) के तहत नैक आउटकम-बेस्ड एक्रेडिटेशन के अंतर्गत "ट्रांसफार्मेटिव क्वालिटी एश्योरेंसः अवसर और चुनौतियां" विषय पर एक राष्ट्रीय कान्फ्रेंस का आयोजन किया गया।

इसमें उच्च शिक्षण संस्थानों से आए विशेषज्ञों, शिक्षाविदों और शोधकर्ताओं ने नैक के आउटकम-बेस्ड फ्रेमवर्क के तहत गुणवत्ता आश्वासन, मूल्यांकन प्रक्रिया, संस्थागत सुधार और नई चुनौतियों पर विचार-विमर्श किया। कार्यक्रम में 120 से अधिक विशेषज्ञों ने भाग लिया। कान्फ्रेंस का उद्घाटन एसडी कालेज सोसाइटी के जनरल सेक्रेटरी डा. अनिरुद्ध जोशी के स्वागत भाषण से हुआ, जिसमें उन्होंने उच्च शिक्षा में क्वालिटी एश्योरेंस प्रक्रियाओं के विकास की आवश्यकता पर जोर दिया। विभिन्न क्षेत्रों के नामी वक्ताओं ने करिकुलम रीडिज़ाइन, डाक्यूमेंटेशन रणनीति, आउटकम-बेस्ड असेसमेंट, गवर्नेंस रिफार्म्स और फैकल्टी एम्पावरमेंट जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा की। पीयू पटियाला के वाइस-चांसलर प्रो. जगदीप सिंह ने मुख्य वक्ता के रूप में शिरकत की और उच्च शिक्षा संस्थानों के शैक्षणिक पारिस्थितिक तंत्र को मजबूत करने की आवश्यकता पर बल दिया।

एसडी कालेज में आयोजित राष्ट्रीय कान्फ्रेंस में भाग लेते विशेषज्ञ • कालेज

Dainik Savera Times 6-12-25

उच्च शिक्षा गुणवत्ता सुधार पर एसडी कॉलेज में नैक आधारित राष्ट्रीय कॉन्फ्रेंस आयोजित

नैक के आउटकम-बेस्ड एक्रेडिटेशन पर विशेषज्ञों ने रखे विचार, 120 से अधिक प्रतिभागियों की रही भागीदारी

सवेरा न्यूज/नीना

चंडीगढ़, 5 दिसंबर : जीजीडीएसडी कॉलेज सैक्टर 32 में शुक्रवार को पीएम उषा स्कीम रूसा के तहत नैक आउटकम-बेस्ड एक्रेडिटेशन के तहत ट्रांसफॉर्मेटिव क्वालिटी एश्योरैंसः अवसर और चुनौतियां विषय पर एक राष्ट्रीय कॉन्फ्रेंस का आयोजन किया गया। कॉन्फ्रेंस में विभिन्न उच्च शिक्षण संस्थानों से आए विशेषज्ञों, शिक्षाविदों और शोधकर्ताओं ने नैक के आउटकम-बेस्ड फ्रेमवर्क के तहत गुणवत्ता आश्वासन, मूल्यांकन प्रक्रिया, संस्थागत सुधार और नई चुनौतियों पर विचार-विमर्श किया। कॉन्फ्रेंस में एकेडमिक्स, पॉलिसी मेकर्स, एडमिनिस्ट्रेटर्स और क्वालिटी एश्योरेंस प्रोफेशनल्स सहित 120 से अधिक विशेषज्ञों ने भाग लिया। कॉन्फ्रेंस की शुरुआत जीजीडीएसडी कॉलेज सोसाइटी के जनरल सेक्रेटरी डॉ. अनिरुद्ध जोशी के स्वागत भाषण से हुई, जिसमें उन्होंने उच्च शिक्षा में क्वालिटी एश्योरेंस प्रक्रियाओं के निरंतर विकास और संस्थागत उत्कृष्टता के लिए इसकी आवश्यकता पर जोर दिया।

कॉन्फ्रेंस में हिस्सा लेने वाले अतिथि और प्रिंसिपल।

एकेडमिया के विभिन्न क्षेत्रों से आए नामी वक्ताओं ने करिकुलम रीडिजाइन, डॉक्यूमेंटेशन रणनीति, आउटकम-बेस्ड असेसमेंट, गवर्नेंस रिफॉर्म्स और फैकल्टी एंपावरमेंट जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विचार-विमर्श किया। सत्रों में इस बात पर जोर दिया गया कि उच्च शिक्षा संस्थानों को अपनी तैयारी और मजबूत करनी होगी, क्योंकि नैक अब एक अधिक गतिशील और डेटा-आधारित एक्रेडिटेशन फ्रेमवर्क की ओर अग्रसर है। उद्घाटन सत्र में पंजाबी यूनिवर्सिटी, पटियाला के वाइस-चांसलर प्रो. (डॉ.) जगदीप सिंह ने मुख्य वक्ता के रूप में शिरकत की। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि उच्च शिक्षा संस्थानों को ऐसे शैक्षणिक पारिस्थितिक तंत्र को मजबूत करने की आवश्यकता है, जहां मापनीय लर्निंग आउटकम्स को संस्थागत विकास का मुख्य आधार माना जाए।

यूजीसी नई दिल्ली के जॉइंट सेक्रेटरी डॉ. जीएस चौहान ने अपने संबोधन में इस बात पर जोर दिया कि विकसित होते नैक फ्रेमवर्क के अनुरूप बने रहने के लिए उच्च शिक्षा संस्थानों में मजबूत डेटा कल्चर को बढ़ावा देना और साक्ष्य-आधारित डॉक्यूमेंटेशन अपनाना बेहद आवश्यक है। वहीं, रयात एवं बाहरा यूनिवर्सिटी के पूर्व वाइस-चांसलर और सीआईपीयू के राष्ट्रीय सलाहकार, प्रोफेसर डॉ. परविंदर सिंह ने संस्थानों में लगातार क्वालिटी बढ़ाने के लिए गवर्नेंस रिफॉर्म्स, ट्रांसपेरेंसी और सबको साथ लेकर चलने वाले एकेडमिक तरीकों के महत्व पर जोर दिया। ईको पर्यावरण ग्रुप के मैनेजिंग डायरेक्टर डॉ. संदीप गर्ग ने कहा कि क्वालिटी एश्योरेंस में स्थिरता, कम्प्लायंस और संस्थागत जिम्मेदारियों से जुड़ी प्रथाओं का समुचित एकीकरण होना आवश्यक है।

एनआईटीटीटीआर चंडीगढ़ के डायरेक्टर डॉ. भोला राम गुज्जर ने संस्थानों को फैकल्टी डेवलपमेंट को मजबूत करने और क्वालिटी बढ़ाने के जरूरी तरीकों के तौर पर टीचिंग-लर्निंग इनोवेशन को बढ़ावा देने के लिए प्रोत्साहित किया। तकनीकी सत्रों में एमिटी यूनिवर्सिटी, मोहाली के रजिस्ट्रार डॉ. दलीप कुमार, गोबिंदगढ़ पब्लिक कॉलेज, खन्ना, लुधियाना की प्रिंसिपल डॉ. नीना सेठ पजनी, जीजीडीएसडी कॉलेज चंडीगढ़ के प्रिंसिपल डॉ. अजय शर्मा, एनआईटीटीआर चंडीगढ़ की एसोसिएट डीन डॉ. मीनाक्षी सूद ने एक्सपर्ट प्रेजेंटेशन दिए। इसके बाद ओपन डिस्कशन हुआ जिसमें पार्टिसिपेंट्स ने अपनी राय और चुनौतियों को शेयर किया। यह कार्यक्रम प्रिंसिपल डॉ. अजय शर्मा के धन्यवाद भाषण के साथ खत्म हुआ, जिसमें उन्होंने एकेडमिक क्वालिटी और इनोवेशन के प्रति संस्थान की प्रतिबद्धता को फिर से दोहराया। इस कॉन्फ्रेंस को जीजीडीएसडी कॉलेज की आईक्यूएसी कोऑर्डिनेटर डॉ. मोनिका सचदेवा और इंग्लिश विभाग की असिस्टेंट प्रोफेसर गगनप्रीत वालिया के नेतृत्व में कोऑर्डिनेट किया गया।

Divya Himachal 6-12-25

गोस्वामी गणेश दत्त सनातन धर्म कालेज में शिक्षा की गुणवत्ता पर जोर

दिव्य हिमाचल ब्यूरो– चंडीगढ़

चंडीगढ़ के सेक्टर-32 स्थित गोस्वामी गणेश दत्त सनातन धर्म कालेज में शुक्रवार को पीएम उषा स्कीम (रूसा) के तहत नैक आउटकम-बेस्ड एक्रेडिटेशन के तहत ट्रांसफॉर्मेटिव क्वालिटी एश्योरेंस: अवसर और चुनौतियां विषय पर एक राष्ट्रीय कॉन्फ्रेंस का आयोजन किया। कॉन्फ्रेंस में विभिन्न उच्च शिक्षण संस्थानों से आए विशेषज्ञों, शिक्षाविदों और शोधकर्ताओं ने नैक के आउटकम-बेस्ड फ्रेमवर्क के तहत गुणवत्ता आश्वासन, मूल्यांकन प्रक्रियाए संस्थागत सुधार और नई चुनौतियों पर विचार-विमर्श किया। कॉन्फ्रेंस में एकेडमिक्स, पॉलिसी मेकर्स, एडमिनिस्ट्रेटर्स और क्वालिटी एश्योरेंस प्रोफेशनल्स सहित 120 से अधिक विशेषज्ञों ने भाग लिया। कॉन्फ्रेंस की शुरुआत जीजीडीएसडी कालेज सोसायटी के जनरल सेक्रेटरी डा. अनिरुद्ध जोशी के स्वागत भाषण से हुई, जिसमें उन्होंने उच्च शिक्षा में क्वालिटी एश्योरेंस प्रक्रियाओं के निरंतर विकास और संस्थागत उत्कृष्टता के लिए इसकी आवश्यकता पर जोर दिया। एकेडेमिया के विभिन्न क्षेत्रों से आए नामी वक्ताओं ने करिकुलम रीडिज़ाइन, डॉक्यूमेंटेशन रणनीति, आउटकम-बेस्ड असेसमेंटए गवर्नेंस रिफॉर्म्स और फैकल्टी एम्पावरमेंट जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विचार-विमर्श किया।

Punjab Kesari 6-12-25

राष्ट्रीय कॉन्फ्रेंस का आयोजन

चंडीगढ़, 5 दिसम्बर (आशीष): सैक्टर 32 स्थित गोस्वामी गणेश दत्त सनातन धर्म कॉलेज में शुक्रवार को पीएम उषा स्कीम के तहत नैक आउटकम-बेस्ड एक्रेडिटेशन के तहत ट्रांसफॉर्मेटिव क्वालिटी एश्योरेंस अवसर और चुनौतियां विषय पर राष्ट्रीय कॉन्फ्रेंस का आयोजन किया। कॉन्फ्रेंस में विभिन्न उच्च शिक्षण संस्थानों से आए विशेषज्ञों, शिक्षाविदों और शोधकर्ताओं ने नैक के आउटकम-बेस्ड फ्रेमवर्क के तहत गुणवत्ता आश्वासन, मूल्यांकन प्रक्रिया, संस्थागत सुधार और नई चुनौतियों पर विचार-विमर्श किया। कॉन्फ्रेंस में एकेडमिक्स, पॉलिसी मेकर्स, एडमिनिस्ट्रेटर्स और क्वालिटी एश्योरेंस प्रोफेशनल्स सहित 120 से अधिक विशेषज्ञों ने भाग लिया। कॉन्फ्रेंस की शुरुआत कॉलेज सोसाइटी के जनरल सेक्रेटरी डॉ. अनिरुद्ध जोशी के स्वागत भाषण से हुई, जिसमें उन्होंने उच्च शिक्षा में क्वालिटी एश्योरेंस प्रक्रियाओं के निरंतर विकास और संस्थागत उत्कृष्टता के लिए इसकी आवश्यकता पर जोर दिया।